लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

सम सेमेस्टर /वर्ष –2020 की परीक्षाओं में प्रोन्नत किये जाने से सम्बन्धी नियम

लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा कोविड–19 के दृष्टिगत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/उत्तर प्रद्रेश शासन द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुपालन में (अन्तिम वर्ष/अन्तिम सेमेस्टर के छात्रों को छोड़कर) अन्य समस्त सम सेमेस्टर/वर्ष के छात्रों को प्रोन्नत किये जाने का निर्णय लिया गया हैः

- स्नातक एवं परास्नातक कक्षाओं में विद्यार्थियों को द्वितीय से तृतीय में, चतुर्थ से पांचवे में, छठें से सातवें में और आठवें से नवें सेमेस्टर में प्रोन्नत किए जाने का निर्णय लिया गया है और परीक्षाफल तैयार करते समय विभिन्न प्रकार की विसंगतियों को ध्यान में रखते हुए परीक्षाफल तैयार किये जाने हेतु गठित समिति द्वारा निर्णय लिया जायेगा।

- **BA, BSc., BCom. Sem. II**
- छात्र के स्नातक प्रथम सेमेस्टर के aggregate marks के प्रतिशत को आधार अंक (reference marks) माना जायेगा, द्वितीय सेमेस्टर के समान विषय के समान प्रश्नपत्र में प्रथम सेमेस्टर के समान प्रश्नपत्र के अंकों को आधार अंक के साथ जोड़कर औसत निकालते हुए उस प्रश्नपत्र के अंक को द्वितीय सेमेस्टर के प्रोजेक्टेड अंकपत्र के लिए निर्धारित किया जायेगें। आंतरिक मूल्यांकन एवं प्रायोगिक अंक के निर्धारण के लिए भी इसी फार्मूले का प्रयोग किया जायेगा।

TABLE -1 : SEMESTER I

SUBJECT/PAPER	EXT.MAX. MARKS	EXT.MIN. MARKS	EXT. MARKS OBT.	INT. MARKS(20)	TOTAL
FIRST : I	80	27	56	15	71
II	80	27	48	14	62
SECOND : I	80	27	50	16	66
II	80	27	45	15	60
THIRD : I	80	27	40	14	54
II	80	27	49	16	65
			G.TOTAL	MIN. 216	378/600

PERCENTAGE OF SEM I = 63%

It means 63 out of 100

63 % of 80 will the reference marks ie 50.4=50 (ROUND OFF)

TABLE 2: **Projected marks for SEM. II**

FORMULA FOR PROJECTED MARKS

external/internal marks(previous semester)+ref. marks/2

SUBJECT/PAPER	EXT.MAX. MARKS	EXT.MIN. MARKS	EXT. MARKS OBT.	INT. MARKS (20)	TOTAL
FIRST : I	80	27	56+50/2 = 53	15+13/2=14	67
II/PRACTICAL	80	27	48+50/2=49	14+13/2=14	63
SECOND : I	80	27	50+50/2=50	16+13/2=15	65
II/PRACTICAL	80	27	45+50/2=48	15+13/2=14	62
THIRD : I	80	27	40 +50=45	14+13=14	59
II/PRACTICAL	80	27	49+50=50	16+13=15	65
			G.TOTAL	MIN. 216	381/600

- **BA, BSc., BCom. Sem. IV**
- छात्र के स्नातक प्रथम, द्वितीय, तृतीय सेमेस्टर के aggregate marks के औसत के प्रतिशत को आधार अंक (reference marks) माना जायेगा, चतुर्थ सेमेस्टर के समान विषय के समान प्रश्नपत्र में प्रथम, द्वितीय, तृतीय सेमेस्टर के समान प्रश्नपत्र के अंकों को आधार अंक के साथ जोड़कर औसत निकालते हुए उस प्रश्नपत्र के अंक को चतुर्थ सेमेस्टर के प्रोजेक्टेड अंकपत्र के लिए निर्धारित किया जायेगा। आंतरिक मूल्यांकन एवं प्रायोगिक अंक के निर्धारण के लिए भी इसी फार्मूले का प्रयोग किया जायेगा।

FOR PER PAPER FOLLOWING FORMULA WILL BE ADOPTED:

Total of external/internal marks(previous semesters)+ref. marks/4

- **BA (HONS.) SEM II , B.COM.(HONS.) SEM.II**
- छात्र के स्नातक प्रथम सेमेस्टर के aggregate marks के प्रतिशत को आधार अंक (reference marks) माना जायेगा, द्वितीय सेमेस्टर के समान प्रश्नपत्र में प्रथम सेमेस्टर के समान प्रश्नपत्र के अंकों को आधार अंक के साथ जोड़कर औसत निकालते हुए उस प्रश्नपत्र के अंक को द्वितीय सेमेस्टर के प्रोजेक्टेड अंकपत्र के लिए निर्धारित किया जायेगा। आंतरिक मूल्यांकन एवं प्रायोगिक अंक के निर्धारण के लिए भी इसी फार्मूले का प्रयोग किया जायेगा।

TABLE -3 : SEMESTER I

PAPER	EXT.MAX. MARKS	EXT.MIN. MARKS	EXT. MARKS OBT.	INT. MARKS(30)	TOTAL
I	70	26	48	25	73
II	70	26	48	22	70
III	70	26	50	21	71
SUBSIDIARY.SUB. 1	70	26	45	23	68
SUBSIDIARY SUB. 2	70	26	40	25	65
			G.TOTAL	MIN. 240	347/500

PERCENTAGE OF SEM I = 69.4%

It means 69 out of 100 (ROUND OFF)

69 % of 70 will the reference marks ie. 48.3=48(ROUND OFF)

TABLE -4 : **Projected marks for SEM. II**

FORMULA FOR PROJECTED MARKS

external/internal marks(previous semester)+ref. marks/2

PAPER	EXT.MAX. MARKS	EXT.MIN. MARKS	EXT. MARKS OBT.	INT. MARKS (30)	TOTAL
I	70	26	48+48/2=48	25+21/2=23	71
II	70	26	48+48/2=48	22+21/2=22	70
III	70	26	50+48/2=49	21+21/2=21	70
SUBSIDIARY SUB. 1	70	26	45+48/2=47	23+21/2=22	69
SUBSIDIARY SUB. 2	70	26	40 +48/2=44	25+21/2=23	67
			G.TOTAL	MIN. 240	347/500

- **BA(HONS.) Sem. IV, BCOM. (HONS.) Se. IV**
- छात्र के स्नातक प्रथम, द्वितीय, तृतीय सेमेस्टर के aggregate marks के औसत के प्रतिशत को आधार अंक (reference marks) माना जायेगा, चतुर्थ सेमेस्टर के समान प्रश्नपत्र में प्रथम, द्वितीय, तृतीय सेमेस्टर के समान प्रश्नपत्र के अंकों को आधार अंक के साथ जोड़कर औसत निकालते हुए उस प्रश्नपत्र के अंक को चतुर्थ सेमेस्टर के प्रोजेक्टेड अंकपत्र के लिए निर्धारित किया जायेगा। आंतरिक मूल्यांकन एवं प्रायोगिक अंक के निर्धारण के लिए भी इसी फार्मूले का प्रयोग किया जायेगा।

FOR PER PAPER FOLLOWING FORMULA WILL BE ADOPTED:

Total of external/internal marks(previous semesters)+ref. marks/4

- **MA, MSc, MCom SEM II**
- छात्र के स्नातक प्रथम सेमेस्टर के aggregate marks के प्रतिशत को आधार अंक (reference marks) माना जायेगा, द्वितीय सेमेस्टर के समान प्रश्नपत्र में प्रथम सेमेस्टर के समान प्रश्नपत्र के अंकों को आधार अंक के साथ जोड़कर औसत निकालते हुए उस प्रश्नपत्र के अंक को द्वितीय सेमेस्टर के प्रोजेक्टेड अंकपत्र के लिए निर्धारित किया जायेगा। आंतरिक मूल्यांकन एवं प्रायोगिक अंक के निर्धारण के लिए भी इसी फार्मूले का प्रयोग किया जायेगा।

TABLE -5 : SEMESTER I

PAPER	EXT.MAX. MARKS	EXT.MIN. MARKS	EXT. MARKS OBT.	INT. MARKS(30)	TOTAL
I	70	24	48	25	73
II	70	24	48	22	70
III	70	24	50	21	71
IV	70	24	45	23	68
V	70	24	40	25	65
			G.TOTAL	MIN. 180	347/500

PERCENTAGE OF SEM I = 69.4%

It means 69 out of 100 (ROUND OFF)

69 % will the reference marks ie. 48.3=48(ROUND OFF)

TABLE -6: **Projected marks for SEM. II**

FOR PER PAPER FOLLOWING FORMULA WILL BE ADOPTED:

Total of external/internal marks(previous semesters)+ref. marks/2

PAPER	EXT.MAX. MARKS	EXT.MIN. MARKS	EXT. MARKS OBT.	INT. MARKS (30)	TOTAL
I	70	24	48+48/2=48	25+21/2=23	71
II	70	24	48+48/2=48	22+21/2=22	70
III	70	24	50+48/2=49	21+21/2=21	70
IV	70	24	45+48/2=47	23+21/2=22	69
V	70	24	40 +48/2=44	25+21/2=23	67
			G.TOTAL	MIN. 180	347/500

- **परीक्षाफल तैयार करते समय पूर्व सेमेस्टर के किसी प्रश्नपत्र में अनुत्तीर्ण अथवा अनुपस्थिति छात्र को आधार अंक देकर उत्तीर्ण कर परीक्षाफल बना दिया जायेगा साथ ही ऐसे समस्त छात्रों को अंक सुधार हेतु भविष्य में होने वाली परीक्षाओं में अतिरिक्त अवसर प्रदान किया जायेगा।**
- स्नातक पाठ्यक्रम (सेमेस्टर प्रणाली) में चतुर्थ से पांचवें सेमेस्टर में प्रोन्नति देने के लिए वर्तमान में व्यवस्था है कि विद्यार्थी प्रथम और द्वितीय सेमेस्टर में उत्तीर्ण हो, अतः ऐसे विद्यार्थी जो प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा पूर्व में उत्तीर्ण कर चुके हैं किन्तु द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा बैक पेपर अथवा अन्य कारणों से उत्तीर्ण नहीं कर पाए हैं उनका द्वितीय सेमेस्टर का परीक्षाफल, प्रोन्नति हेतु दी गयी संस्तुतियों के आधार पर तैयार कर दिया जायेगा क्योंकि द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा वर्तमान में संपन्न नहीं होनी है।
- परास्नातक कक्षाओं के ऐसे विद्यार्थी जो चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा जून 2019 में उत्तीर्ण कर चुके हैं, साथ ही प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा भी पूर्व में उत्तीर्ण कर चुके हैं किन्तु द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा बैक पेपर अथवा अन्य कारणों से उत्तीर्ण नहीं कर पाए हैं उनका द्वितीय सेमेस्टर का परीक्षाफल, प्रोन्नति हेतु दी गयी संस्तुतियों के आधार पर तैयार किया जायेगा क्योंकि द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा वर्तमान में सम्पन्न नहीं होनी है।
- स्नातक एवं परास्नातक के अन्तिम वर्ष/सेमेस्टर की परीक्षा कराये जाने का निर्णय लिया गया है, परन्तु कुछ छात्र जो अन्तिम वर्ष/सेमेस्टर की परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके है, उनके विगत किन्ही एक वर्ष/सेमेस्टर में बैक पेपर हेतु आवेदन किया है, ऐसे छात्रों को उनके पूर्व वर्ष/सेमेस्टर के आधार पर प्रोन्नत कर दिया जायेगा।